रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

नए शैक्षणिक सत्र में नई उपलब्धियों को बनाए लक्ष्य–कुलपति प्रो. मिश्र
– रादुविवि में आईक्यूएसी की बैठक में शामिल हुए समस्त विभाग

जबलपुर 01 जुलाई। नए शैक्षणिक सत्र में नई उपलब्धियों को हासिल करने के लिए सम्मिलित प्रयासों की जरूरत है और परस्पर समन्वय से निर्धारित लक्ष्यों को हासिल किया जा सकता है। विश्वविद्यालय आगामी नैक परीक्षण के लिए अपने लक्ष्य नैक 'ए' ग्रेडिंग प्राप्त करने के लिए आशान्वित है और इसके लिए किसी भी प्रयास से पीछे नहीं है। उपरोक्त विचार माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने विश्वविद्यालय में आयोजित आंतरिक गुणवत्ता मूल्यांकन सेल (आईक्यूएसी) की ऑनलाईन बैठक की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।

माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने ऑनलाईन बैठक में मौजूद सभी संकायाध्यक्षों एवं विभागाध्यक्षों को नए शैक्षणिक सत्र 2020–2021 की शुरूआत के लिए बधाई दी। विवि आईक्यूएसी एवं नैक समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा ने राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा निर्धारित बिन्दुओं एवं आगामी मूल्यांकन को लेकर की जा रही तैयारियों की जानकारी देते हुए विभागाध्यक्षों से शैक्षणिक सत्र 2019–2020 के प्रतिवेदन को जल्द से जल्द प्रस्तुत करने की बात कही।

पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुति–

विवि आईक्यूएसी की बैठक में प्रो. शैलेष चौबे, प्रो. एस.एन. बागची, प्रो. एस.एन. मिश्रा प्रो. रामशंकर, प्रो. एस.एस. संधु , डॉ. लोकेश श्रीवास्तव, डॉ. अश्विनी जायसवाल ने पीपीटी के माध्यम से वार्षिक गुणवत्ता मूल्यांकन रिपोर्ट (एक्यूएआर) के सातों वर्गों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। बैठक में विवि पाठ्यक्रमों, छात्र–प्राध्यापक संख्या, संगोष्ठियां, प्लेसमेंट, संरचनात्मक एवं शैक्षणिक, सांस्कृतिक गतिविधियों पर आधारित बिन्दुओं पर विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराने के साथ खामियों पर भी चर्चा की गई।

ऑनलाईन गतिविधियों को भी शामिल करें–

बैठक में माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने बताया कि कोरोना से उत्पन्न परिस्थितियों में विश्वविद्यालय में ऑनलाईन फैकल्टी डेव्लपमेंट प्रोग्राम से लेकर ऑनलाईन वेबिनार, ऑनलाईन शैक्षणिक गतिविधियों के भी आयोजन हुए जिन्हें शामिल किया जाना चाहिए। गूगल मीट के माध्यम से आयोजित इस ऑनलाईन बैठक का संचालन आईक्यूएसी समन्वयक प्रो. अंजना शर्मा ने किया। इस अवसर पर कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. मृदुला दुबे, प्रो. पी. के. खरे, प्रो. ममता राव, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, डॉ. विशाल बन्ने, डॉ. आर.के. गुप्ता सहित अन्य मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय में पेपर लेस वर्क कल्चर तैयार करने हो सतत् प्रयास
– एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली (आई.यू.एम.एस.) पर कार्यशाला का आयोजन

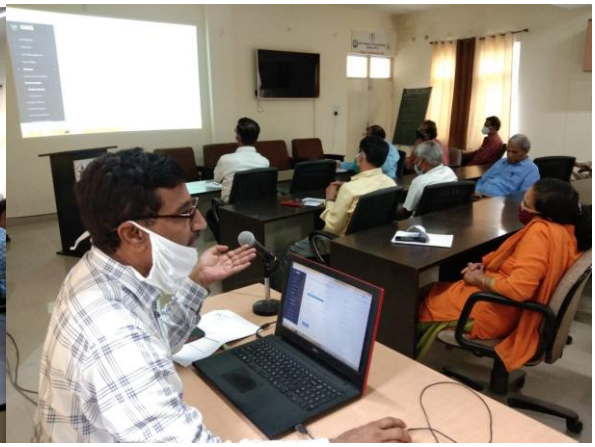

जबलपुर। कोरोना संकट के पश्चात् संस्थाओं में ऑनलाईन वर्क कल्चर को बढ़ावा मिला है। नवीन परिस्थितियों में विश्वविद्यालयों में भी पेपर लेस वर्क कल्चर को तैयार करने सतत प्रयास होने चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय के सभी विभागों में आपसी समन्वय और ऑनलाईन कार्यों के महत्व को समझने की जरूरत है। उपरोक्त आव्हान माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने बुधवार को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में आयोजित ऑनलाईन कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए व्यक्त किए।
मध्यप्रदेश के सभी परम्परागत विश्वविद्यालय हेतु निर्मित हो रहे एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली (आईयूएमएस) के संबंध में आयोजित कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने सहभागिता की। कार्यशाला में प्रस्तावित प्रबंधन प्रणाली के छः माड्यूलों की कार्यप्रणाली का प्रस्तुतिकरण डॉ. अजय कुमार गुप्ता, प्रभारी कम्प्यूटर केंद्र द्वारा किया गया है ।

विवि कार्यों में एकरूपता लाने दिए महत्वपूर्ण सुझाव–

कार्यशाला में सम्मिलित सभी प्रतिभागियों ने इसके कार्य करने की प्रक्रिया एवं सुझाव प्रदान किये जिन्हें इसकी निर्माण प्रक्रिया के दौरान समायोजित किया जावेगा। कार्यशाला में बताया गया कि एकीकृत विश्वविद्यालय प्रबंधन प्रणाली, मप्र के समस्त विश्वविद्यालय में एकरुपता प्रदान करते हुये विवि की समस्त गतिविधियों, आटोमेशन एवं पेपर–लेस वातावरण तैयार करने हेतु प्रयास है। कार्यशाला में परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेंडसे, प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवके मिश्र, सहायक कुलसचिव श्री अभयकांत मिश्रा, सुश्री मिनाल गुप्ता एवं सुश्री मोनाली सूर्यवंशी, अनुभाग अधिकारियों में श्री अजय झारिया, श्री एम.एल.द्विवेदी, शकील अंसारी, श्री आनंद वर्मा, श्री कुलदीप पटारिया आदि ने चर्चा के दौरान सुझाव प्रस्तुत किये। कार्यशाला के आयोजन में श्रीमती निधि सक्सेना, डॉ. जावेद शरीफ, डॉ. अजय सिंह, अतीत झावरे आदि का विशेष सहयोग रहा।

प्रभारी कुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्रा ने बताया कि इस कार्यशाला के आयोजन से वि.वि. प्रबंधन की दिशा में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि कार्यशाला के दूसरे दिन अन्य माडयूल का प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा की जावेगी।